आकाशवाणी पोर्ट ब्लेयर

दिनांक : 09.12.2024 समय : 0705

<><><><><><><><>

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से दो हजार सैंतालिस तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने की ताकत बनने का आह्वान किया।
- सांसद बिष्णु पद रे ने डीब्रेट के सम्मेलन कक्ष में आयोजित जिला स्तरीय विकास समन्वय और निगरानी समिति की बैठक, दिशा की अध्यक्षता की।
- भारत का सबसे बड़ा राष्ट्रीय मूल्यांकन सर्वेक्षण, परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण–दो हजार चौबीस का कार्य द्वीप समूह के सभी स्कूलों में पूरा कर लिया गया।
- नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग आम जनता की सुविधा के लिए दिसम्बर माह के दौरान विशेष आधार शिविर का आयोजन कर रहा है।

<><><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से दो हजार सैतालिस तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के अभियान की ऊर्जा–शक्ति बनने का आहवान किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अगले महीने विकसित भारत युवा नेता संवाद आयोजित किया जायेगा, जो युवाओं को विचारों के आदान–प्रदान का मंच देगा। उन्होंने कहा कि आज जब देश विकसित भारत का लक्ष्य लेकर चल रहा है। स्वच्छ भारत मिशन हो, नेचुरल फार्मिंग हो, या पर्यावरण को लेकर जागरूकता की बात हो, बेटियों की शिक्षा हो, या आदिवासी कल्याण का विषय हो, देश के लोग आगे बढ़कर राष्ट्र निर्माण की यात्रा का नेतृत्व कर रहे हैं।

<><><><><><><><>

सांसद बिष्णु पद रे ने डीब्रेट के सम्मेलन कक्ष में आयोजित जिला स्तरीय विकास समन्वय और निगरानी समिति की बैठक, दिशा की अध्यक्षता की। बैठक में अंडमान निकोबार प्रशासन के विभागीय अधिकारियों और प्रमुख पंचायती राज संस्थानो के सदस्यों ने भाग लिया। भारत सरकार के निर्देशानुसार, सांसद को उनके संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में दिशा बैठके विभिन्न योजनाओं के विकास की प्रगति से अवगत कराने के लिए आयोजित की जाएगी। व्यापक समीक्षा के दौरान, सांसद ने जनता के लाभों को सुनिश्चित करने के लिए प्रायोजित योजनाओं के माध्यम से लोगों के लाभों को अधिकतम करने के लिए द्वीपों में केंद्र प्रायोजित योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने पर ज़ोर दिया। प्रत्येक विभाग में चल रही योजनाओं की प्रगति, चुनौतियों और परिणामों को बढ़ाने के लिए प्रस्तावित उपायों पर पावरपॉइंट प्रस्तुति दी गई।

सांसद ने योजनाओं को लाभार्थियों तक पहुँचाने और द्वीपों के सामाजिक–आर्थिक विकास में योगदान देने के लिए मजबूत निगरानी तंत्र की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस प्रक्रिया को और अधिक समावेशी और प्रभावी बनाने के लिए योजनाओं के कार्यान्वयन में सामुदायिक भागीदारी के महत्व पर भी जोर दिया।

<><><><><><><>

भारत का सबसे बड़ा राष्ट्रीय मूल्यांकन सर्वेक्षण, परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण –दो हजार चौबीस का कार्य द्वीप समूह के सभी स्कूलों में पूरा हो गया है। राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र परख द्वारा आयोजित इस स्मारकीय मूल्यांकन का उद्देश्य ग्रेड–तीन, छह और नौ में छात्रों की शैक्षणिक दक्षताओं का मूल्यांकन करना था, यह अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के तीन जिलों में निर्बाध रूप से आयोजित किया गया था, जिसमें एक सौ इक्कीस स्कूलों को शामिल किया गया था और एक सौ चौरानबे कक्षाओं में चार हजार तीन सौ छियात्तर छात्रों और छह सौ तैंतीस शिक्षकों को शामिल किया गया था। छात्रों का मूल्यांकन भाषा, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और 'हमारे आसपास की दुनिया' जैसे मुख्य विषयों में किया गया था। शिक्षा प्रणाली के बारे में व्यापक डेटा एकत्र करने के लिए शिक्षकों और स्कूलों का भी सर्वेक्षण किया गया। यह डेटा सीखने के परिणामों और शिक्षण विधियों में सुधार के लिए भविष्य की नीतियों और सुधारों को आकार देने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। सर्वेक्षण का सुचारू क्रियान्वयन शिक्षा विभाग, राज्य शिक्षा संस्थान, समग्र शिक्षा, जिला शिक्षा अधिकारियों, स्कूल प्राधिकारियों और अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के समर्पित शिक्षकों के ठोस प्रयासों को दर्शाता है।

<><><><><><><>

नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग आम जनता की सुविधा के लिए दिसम्बर माह के दौरान दक्षिण, उत्तर और मध्य अंडमान जिलों की ग्राम पंचायतों में सुबह साढ़े नौ बजे से शाम चार बजे तक विशेष आधार शिविर आयोजित करेगा। शिविर के दौरान आधार से जुड़ी कार्य किया जाएगा। कल और ग्यारह दिसम्बर को मीठाखाड़ी और नीलाम्बूर क्षेत्र में आधार शिविर लगेगा। बारह और तेरह दिसम्बर को टुसनाबाद, सुन्दरगढ़, पोकाडेरा और सीतानगर में, सोलह और सत्रह तारीख को रामकृष्णपुर और माइलडेरा में सोलह से इक्कीस तारीख तक शिविर का आयोजन किया जाएगा। सत्रह और अट्ठारह तारीख को वृंदावन में, अट्ठारह और उन्नीस तारीख को विवेकानन्दपुर, उन्नीस और बीस को मनारघाट, उर्मिलापुर और केरलापुरम में शिविर लगेगा। तेईस और चौबीस तारीख को शोलबे में और छब्बीस और सत्ताईस तारीख को नीलकेन्द्र में शिविर का आयोजन किया जाएगा। आम जनता से अनुरोध किया गया है कि इस विशेष शिविर का लाभ उठाएं।

<><><><><><><>

उद्योग निदेशालय द्वारा द्वीपसमूह में अपने विभागीय प्रशिक्षण केंद्रों के सहयोग से बढ़ईगीरी, सामान्य इंजीनियरिंग, बेंत और बांस हस्तशिल्प, कॉयर उत्पाद, सिलाई और परिधान निर्माण सहित कई ट्रेडों में एक वर्षीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। दो हजार तेईस–चौबीस सत्र के दौरान कुल एक सौ इक्यावन उम्मीदवारों ने प्रशिक्षण पूरा किया। इस पहल का उद्देश्य स्वरोजगार के अवसर और स्थायी आजीविका के रास्ते बनाकर प्रशिक्षुओं को सशक्त बनाना है। कार्यक्रम के समापन अवसर पर उद्योग निदेशक राकेश दास ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए विभिन्न हस्तशिल्प और अन्य वस्तुओं को तैयार करने में प्रशिक्षकों और प्रशिक्षुओं की समर्पण और रचनात्मकता की सराहना की। उन्होंने प्रशिक्षुओं को अपनी आजीविका बढ़ाने के लिए अपने अर्जित कौशल का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया और व्यापक ग्राहक आधार तक पहुँचने के लिए ऑनलाइन मार्केटिंग के अवसरों की खोज करने पर जोर दिया।

कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षुओं ने प्रशिक्षण के दौरान विकसित उत्पादों का प्रदर्शन किया, जिसे निदेशक और आगंतुकों से व्यापक सराहना मिली। यह कार्यक्रम बेरोजगार युवाओं के बीच कौशल विकास और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए निदेशालय की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है, जिससे आर्थिक विकास और आत्मनिर्भरता का मार्ग प्रशस्त होता है। कार्यक्रम में उद्योग उप–निदेशक अजीत आनंद सहित अन्य विभागीय अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए।

<><><><><><><>

रंगत के सबरी में राष्ट्रीय राजमार्ग के ठेकेदार के श्रमिकों को अपने नियमित कार्य के दौरान एक मानव कंकाल मिला। रंगत पुलिस ने सूचना पाते ही व्यक्ति की पहचान का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच शुरू कर दी है। फॉरन्सिक विशेषज्ञ द्वारा कंकाल की जांच की जा रही है। आम जनता से कहा गया है कि किसी भी लापता व्यक्ति के विषय में जानकारी दे, जिसकी सूचना अब तक नहीं मिल पाया। यह अन्य कोई विवरण जो जांच में सहायता कर सकता है, इसकी जानकारी अपने निकटतम पुलिस थानों को दें। सूचना देने वालों की पहचान गुप्त रखी जाएगी।

<><><><><><><>

मायाबंदर पुलिस ने हाल ही में गुप्त सूचना के आधार पर टुगापुर नम्बर– दो के निवासी शोभा हलदार के घर से छापा मारकर अण्डमान पड़ाक की तेरह लकड़ियों को बरामद किया। सभी ज़ब्त लकड़ियों और

हिरासत में ली गई महिला को आगे की कार्रवाई के लिए वन विभाग के अधिकारियों को सौंप दिया गया। यह वनों की अवैध कटाई के खिलाफ अभियान चलाई जा रही मुहीम का एक महत्वपूर्ण कदम है।

<><><><><><><>

राज्य पुस्तकालय के कार्य समय में आंशिक रूप से संशोधन किया गया है और राज्य पुस्तकालय के सभी अनुभागों की सेवाएँ सभी सदस्यों के लिए सुबह नौ बजे से शाम सात बजे तक उपलब्ध रहेंगी। भोजन अवकाश दोपहर एक बजे से डेढ़ बजे तक होगा।

<><><><><><><>